Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi
Spring Semester, 2007

शोले

Part 13

ठाकुर उस वक़्त की याद करने लगता है जब एक बार उसने गब्बर सिंह को पकड़ लिया था।

ठाकुर बलदेव सिंह - उन दिनों की बात है, जब मैं बेलापुर थाने पर था। हमें ख़बर मिली गब्बर हरीपुर गाँव को लूटने आ रहा है। सही वक़्त पर पुलिस पहुँच गयी और डाकुओं को भागना पड़ा। और मैं गब्बर के पीछे लग गया।

उस घटना का दृश्य दिखायी देता है जब ठाकुर गब्बर को पकड़ने की कोशिश कर रहा था। दोनों घोड़े पर सवार हो कर भाग रहे हैं। ठाकुर देर तक पीछा कर के गब्बर को पकड़ भी लेता है और गब्बर का सिर अपने बाज़ू से दबा देता है।

गब्बर - छोड़... छोड़ दो मुझे। छोड़ दे हरामज़ादे!
ठाकुर बलदेव सिंह - गब्बर सिंह! ये हाथ नहीं, फाँसी का फंदा है।

****

अदालत के बाहर का दृश्य, गब्बर सिंह के मुक़दमे के वक़्त। फ़ैसला सुनाते हुए जज की आवाज़ सुनाई देती है।

जज की आवाज़- गवाहों के बयान और तमाम सबूतों की रोशनी में, अदालत इस नतीजे पर पहुँची है, कि मुजरिम गब्बर सिंह वल्दे हरि सिंह एक आदी और ख़तरनाक मुजरिम है। अदालत उसे डाका डालने और लूटमार के जुर्म के एवज दफ़ा चार सौ ताज़ीराते हिन्द के तहत बीस बरस की क़ैदे बामुशक्क़त देती है। (अदालत के बाहर बेड़ी और हथकड़ी पहने हुए गब्बर को ले जाते हुए कुछ सिपाही दिखते हैं। उस वक़्त

इंस्पेक्टर ठाकुर अचानक गब्बर के सामने आ जाता है।)

गब्बर - (ठाकुर से) याद रखूँगा। तुझे याद रखूँगा।

ठाकुर बलदेव सिंह - बीस बरस जेल में रहने के बाद सब भूल जाओगे गब्बर।

गब्बर - दुनिया की किसी जेल की दीवार इतनी पक्की नहीं कि गब्बर को बीस साल रोक सके। और जिस दिन मैं भाग निकला, (उस दिन तुम) बहुत पछताओगे ठाकुर। बहुत पछताओगे।

ठाकुर बलदेव सिंह - ले जाओ इसे।

गब्बर - मुझसे दुश्मनी बहुत महँगी पड़ेगी ठाकुर, बहुत महँगी पड़ेगी यह दुश्मनी, बहुत महँगी।

एक जेलर आता है। यह वही जेलर है जिसने फ़िल्म के शुरू में जय और वीरू की तलाश ठाकुर के लिये की थी।

जेलर - ठाकुर साहब, मुबारक हो। आप का पकड़ा हुआ एक और मुजरिम हमारी जेल में आ रहा है।

ठाकुर बलदेव सिंह - आदमी बहुत ख़तरनाक है जेलर साहब। ख़्याल रखिये।

****

ठाकुर एक और अफ़सर के साथ बात करते हुए दिखाई देता है।

खुराना साहब - चलिये आप की छुट्टी की दरख़्वास्त मंज़ूर हो गयी है, मंज़ूर तो होनी ही थी। इतने दिनों बाद (छुट्टी) ले रहे हैं आप।

ठाकुर बलदेव सिंह -खुराना साहब। अब की बार अगर मैं छुट्टी न लेता तो घरवाले बातचीत करना ही बन्द कर देते।

खुराना साहब - क्या करें? हमारा काम ही ऐसा है कि घरवालों को ... अपने घर में यही प्रॉब्लेम है। कहिये, कौन कौन हैं आप के घर में?

ठाकुर बलदेव सिंह - सब हैं। दो बेटे हैं, दो बहुएँ हैं। एक बेटी है, वह भी शादी के क़ाबिल है। अब की बार कोई अच्छा सा घर देखूँगा। और एक पोता भी है।

खुराना साहब - पोता? इतनी उमर नहीं लगती आप की।

ठाकुर बलदेव सिंह - खुराना साहब गाँव में कम उमर में ही शादी हो जाती है। शादी जल्दी हो गयी तो बेटा भी जल्दी हो गया। बेटे की शादी जल्दी हो गयी, तो पोता भी जल्दी हो गया। अब तक तो सात-आठ बरस का है।

खुराना साहब - यानी इतना बड़ा हो गया कि छुट्टी न लेने पर नाराज़ हो सके?

ठाकुर बलदेव सिंह - हाँ बिल्कुल। सब को मनाने के लिये सब के वास्ते कुछ न कुछ ले जा रहा हूँ। देख लीजिये खुराना साहब, ज़िन्दगी भर मैंने तो कभी रिश्वत नहीं ली, लेकिन जब घर जाता हूँ, तो घरवालों को रिश्वत देनी पड़ती है। अच्छा जी।

खुराना साहब - वैल, गुडबाई। बेस्ट ऑफ़ लक।

ठाकुर बलदेव सिंह - थैंक्स। (ठाकुर के जाने के बाद एक सिपाही खुराना साहब के पास आता है।)

सिपाही - सर।

खुराना साहब - क्या बात है, रामसिंह?

रामसिंह - सर। गब्बर सिंह जेल से भाग गया।

गब्बर सिंह भाग गया?

रामसिंह - येस सर।

शब्दावली

दृश्य = scene (m)
घोड़े पर सवार होना = to ride a horse (vi)
छोड़ना = to leave, release (vt)
हरामज़ादा = bastard (adj)
बाज़ू = arm (m)
दबाना = to press (down) (vt)
फाँसी = noose (f)
फंदा = snare, trap (m)
अदालत = court (f)
मुक़दमा = case (m)
सुनवाई देना = to pass sentence (vt)
गवाह = witness (m)
बयान = statement (m)
तमाम = all (adj)
सबूत = evidence (m)
रोशनी = light (f)
नतीजा = conclusion (m)
मुजरिम = criminal (m)
वल्दे = son of (adj)
आदी = habitual (adj)
ख़तरनाक = dangerous (adj)
डाका डालना = to commit robbery (vt)
लूटमार = robbery and killing (f)

जुर्म = crime (m)
दफ़ा = section (m)
ताज़ीराते हिन्द = Indian penal code (m)
के तहत = under (pp)
बीस = twenty (adj)
क़ैदे बमुशक़्क़त = imprisonment with hard labor (f)
बेड़ी = shackle (f)
हथकड़ी = handcuffs (f)
ले जाना = to take and go (vi)
याद रखना = to remember (vt)
दीवार = wall (f)
रोकना = to stop (vt)
पछताना = to regret (vt)
महँगा पड़ना = to prove expensive (vi)
x की तलाश करना = to search for x (vt)
मुबारक हो = congratulations!
ख़्याल रखना = to take care (vt)
छुट्टी = holiday (f)
दरख़्वास्त = application (f)
मंज़ूर = accepted, approved (adj)
बन्द करना = to close, stop (vt)
x के क़ाबिल होना = worthy of x
पोता = grandson (m)
नाराज़ होना = to become angry (vi)
बिल्कुल = absolutely (adv)
मनाना = to convince, persuade (vt)
x के वास्ते = for the sake of x
रिश्वत लेना = to take a bribe (vt)
रिश्वत देना = to give a bribe (vt)